हृदय और धड़कन

वर्ष-2, अंक-14, फरवरी 20, 2011

CIMS
Care Institute of Medical Sciences

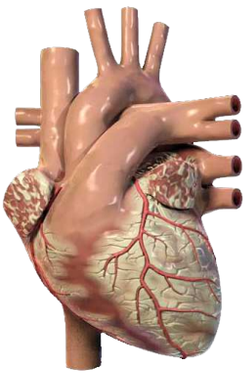

Price Rs. 5/-

कार्डियोलॉजिस्ट
डॉ. अनिश चंदाराणा
(M) +91-98250 96922
डॉ. अजय नाईक
(M) +91-98250 82666
डॉ. सत्य गुप्ता
(M) +91-99250 45780
डॉ. गुणवंत पटेल
(M) +91-98240 61266
डॉ. केयूर परीख
(M) +91-98250 26999
डॉ. मिलन चग
(M) +91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह
(M) +91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी
(M) +91-98250 30111
डॉ. जोयल शाह
(M) +91-98253 19645
डॉ. रवि सिंघवी
(M) +91-98251 43975
कार्डियक सर्जन
डॉ. धीरेन शाह
(M) +91-98255 75933
डॉ. धवल नायक
(M) +91-90991 11133
कार्डियक एनेस्थेटिस्ट
डॉ. निरेन भावसार
(M) +91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया
(M) +91-95863 75818
पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजी
डॉ. कश्यप शेठ
(M) +91-99246 12288
डॉ. मिलन चग
(M) +91-98240 22107
निओनेटल कार्डियक और क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ
डॉ. अमित चितलीया
(M) +91-90999 87400
कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट
डॉ. अजय नाईक
(M) +91-98250 82666

हृदय की सामान्य जानकारी

विश्व के समस्त लोगो की तुलना में भारतीय हृदयरोग का शिकार जल्दी बनते है ।

शीघ्रता से होता हुआ शहरीकरण, तनावयुक्त जीवन शैली, तम्बाकू का व्यापक उपयोग, भोजन में चरबीयुक्त पदार्थो का अतिशय सेवन, डायाबिटीज, उच्च रक्तचाप (high blood pressure) और आरामदायक जीवन शैली जैसे विभिन्न कारणों से भारतीयों में हृदयरोग के प्रमाण में वृद्धि हुई है ।

अब तो छोटी उम्र के लोग भी हृदयरोग का शिकार होने लगे है । इस समय करीब ९० करोड़ से भी अधिक लोग हृदय की धमनी के रोग से पीडित है । एक अनुमान के अनुसार सन २०२० तक विश्व के समस्त हृदय रोगियों में से आधे रोगी भारतीय होंगे, तथा भारतवर्ष में मृत्यु का मुख्य कारण होगा दिल का दौरा । ऐसा नहीं लगता कि वास्वत में हृदयरोग के विषय में जानने का समय आ चुका है ?

इलैक्ट्रिक पम्प

हृदय को परमकृपालु परमात्मा का चमत्कार ही कहा जा सकता है । मुठ्ठी के कद का यह अंग जीवन भर हमारे पूरे शरीर में निरन्तर रक्त पहुंचाता रहता है, इस रक्त के द्वारा ही पूरे शरीर में ऑक्सीजन (प्राण वायु) तथा पोषक तत्त्व पंहुचते है, तथा रक्त द्वारा ही पूरे शरीर का

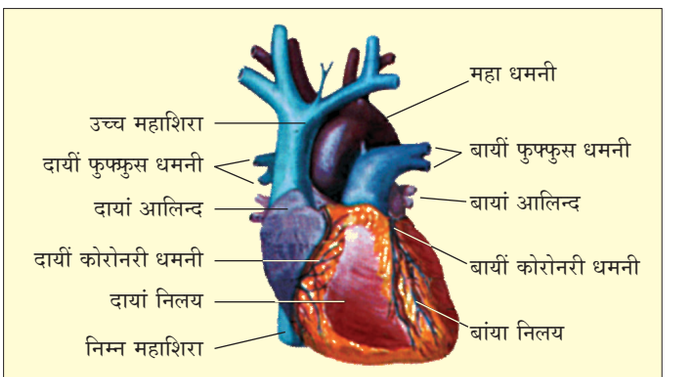

मानव हृदय का - बाह्य देखाव

कचरा और कार्बन-डाई-ऑक्साइड (दूषित वायु) निकलती है । हम अपने हृदय के उतम कार्य की हंमेशा उपेक्षा ही करते हैं, और बीमार पडने पर तुरंत डॉक्टर के पास दौडे चले आते हैं पर शायद तब तक बहुत देर हो चुकी होती है ।

हृदय के पास उसका अपना इलैक्ट्रिक जैनरेटर है, जो हृदय को नियमित अंतर से हर मिनिटमें ६० से ८० बार धड़काता है ।

हृदय की स्नायु शरीर की अन्य माशपेशियों से अलग होती हैं ।

कॅयर इन्स्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेझ अहमदाबाद शहर के हृदय पटल पर 150 शय्याओ वाला एक अद्वित्य, अति आधुनिक, बहु विशिष्ट, अस्पताल है ।

सीम्स विभाग

- कार्डियोलोजी
- क्रिटीकल केयर (गंभीर मरीजो के लिए सघन्य उपचार)
- जनरल सर्जरी
- निओनेटोलोजी (नवजातशिशु उपचार) और पिडियाट्रिक्स (बच्चोकी बीमारीया)
- नेफ्रोलोजी (किडनीकी बिमारीयों)
- युरोलोजी (कीडनी और प्रोस्टेटकी बिमारीयाँ
- पेथोलोजी और माइक्रोबायोलोजी
- डेन्टिस्ट्री
- ओप्थेमोलोजी
- पल्मोनोलोजी (फेफडोकी बिमारीयाँ)
- फिझियोथेरेपी और रिहेबिलीटेशन
- अेनेस्थेसियोलोजी
- पिडियाट्रिक सर्जरी
- कोस्मेटोलोजी
- स्लीप मेडिसिन
- ट्रोमा का ईलाज
- हिमेटो ओन्कोलोजी (केन्सर और रक्तकी बिमारीयाँ)
- इन्टरवेन्शनल पेन मेनेजमेन्ट
- चर्म रोग और एइड्स संबंधित बिमारीयां
- फेमीली मेडिसीन
- कार्डियो-थोरेसिक सर्जरी
- इन्टरनल मेडिसीन
- गायनेकोलोजी और ओब्स्टेट्रीक्स
- न्युरोलोजी (मस्तिष्ककी बिमारीयाँ)
- न्युरोसर्जरी
- ओर्थोपेडिक्स और जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट सर्जरी
- रेडियोलोजी
- ई.एन.टी. और ओटोलेरिन्गोलोजी
- पेट, आंते और कलेजेकी बिमारीयाँ
- गेस्ट्रीक और हीपेटोबीलीयरी सर्जरी
- हेल्थ चेकअप
- प्रिवेन्टीव हेल्थ केयर
- लेप्रोस्कोपिक और विडियो एन्डोस्कोपीक सर्जरी
- ओबेसीटी मेनेजमेन्ट (स्थूलताका उपचार)
- आर्थरोस्कोपी और स्पोर्टस मेडिसीन
- स्पाइन सर्जरी
- वास्क्युलर सर्जरी
- केन्सर और केन्सर सर्जरी
- इन्टरवेन्शनल रेडियोलोजी और इमेजिंग
- फीटल मेडिसीन

हृदय की रचना और उसके खंड

हृदय की तुलना चार कमरों वाले एक मकान से की जा सकती हैं, क्यों कि हृदय के अंदर भी चार खंड होते है । जिस तरह मकान के कमरों में आने जाने के लिए दरवाजे होते है उसी तरह हृदय के खंडो के बीच में वाल्व के नाम से जाना जाने वाला परदा होता है जो रक्त के आने व जाने के समय खुलता अथवा बंद होता है । मकान में हम किसी भी एक कमरे से दूसरे कमरे में आ – जा सकते हैं, परन्तु हृदय के अंदर वहता खून एक खंड से दूसरे खंड में केवल एक ही दिशा में जा सकता है, रक्त यदि विपरीत खंड या विपरित दिशा में जाए तो वो बीमारी का लक्षण होता है ।

मेडिकल प्रेक्टिस किस तरह करनी चाहिए इस विषय में हमारे एक प्रोफेसर का कथन 'बुद्धिमान दिखो, कुछ बोलो मत और सिर्फ हैं...हैं...हैं...' जैसी आवाजें निकालते रहो ।

चक्र चलता ही रहता है

हृदय के दो खंडो में से दो आलिंद व दो निलय होते है, आलिंद शरीर तथा फेंफडों से रक्त ले कर उन्हे निलय में धकेलते है, और क्षेपक उस रक्त को फिर से सारे शरीर व फेंफडो में भेजता है, इस तरह आलिंद व निलय पंप का काम कर रक्त को बहता हूआ रखते हैं ।

हृदय के स्नायु आजीवन काम करतना बंद नहीं करते । केवल ओन पंप बायपास के ऑपरेशन के समय हृदय को बंद किया जाते है ।

यदि निलय पर अधिक जोर पड़ता है तो हृदय धीरे-धीरे कमजोर होता चला जाता है ।

विशाल महाधमनी (एओर्टा) और फेंफडों की धमनियां (पल्मोनरी आर्टरी) में रक्त को धकेलने के लिए निलय सिकुड़ते है, और वाल्व के खुलने व बंद होने के कारण रक्त का प्रवाह योग्य दिशा में होता रहता है । दायें आलिंद और दायें निलय के बीच में ट्राइस्पीड वाल्व होता है और बांये आलिंद व बांये निलय के बीच में माइट्रल वाल्व होता है ।

रक्त हंमेशा आलिंद सि निलय में जाता है, अगर ये उल्टी दिशा में बहने लगे तो उसे बीमारी का लक्षण कहा जाएगा ।

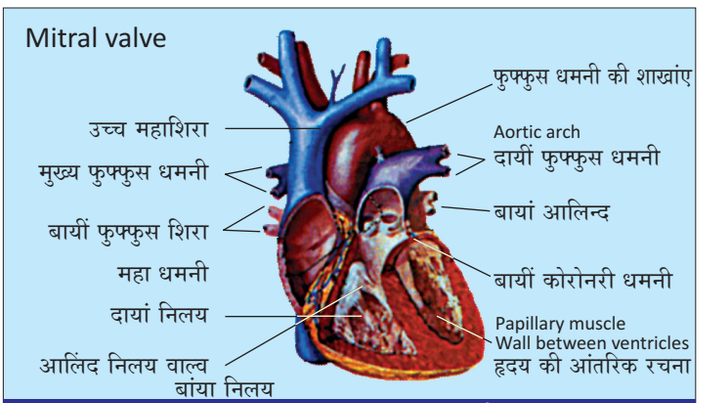

मानव हृदय का एक दर्शन

माइट्रल और ट्राइस्पीड वाल्व के अलावा महाधमनी व पल्मोनरी धमनी के नीचे भी वाल्व होते हैं, इन्हे एओर्टिक वाल्व (महाधमनी के नीचे) और पल्मोनरी वाल्व (पल्मोनरी आर्टरी के नीचे) कहा जाता है ।

इस तरह हृदय में कुल चार वाल्व होते है, इनमें से किसी भी वाल्व में खराबी आ जाने से हृदय की कार्यक्षमता घट जाती है और यह बिमारी को आमंत्रित करती है ।

रक्त वापस किस तरह आता है ?

शिराओं द्वारा रक्त वापस हृदय तक पहुंचता है, झरने जिस तरक इक्टठे हो कर नदी बनाते है उसी तरह नन्हीं-नन्हीं सी शिराएं एकत्रित होकर बडी शिराएं बनाती है, और वे फिर एकटठी होकर सबसे बडी दो शिराएं - उर्ध्व महाशिरा (सुपीरियर वेना केवा) और निम्न महाशिरा (इन्फीरियर वेना केवा) बनाती है । इन दो सबसे बडी शिराओं के द्वारा रक्त वापस हृदय के दाएं आलिंद में पहुंचता है । इस रक्त में ऑक्सीजन कम होता है । इसे ऑक्सीजन युक्त करने के लिए तब दाएं आलिंद से दाएं निलय में धकेला जाता है, और वहाँ से पल्मोनरी धमनी के द्वारा फेंफडों में ऑक्सीजनयुक्त बनने चला जाता है ।

स्वस्थ हृदय प्रत्येक मिनट में ५ से ६ लीटर रक्त शरीर में धकेलता है । कठिन कसरत करने के बाद हृदय प्रत्येक मिनट में ज्यादा से ज्यादा ९५ से २० लिटर रक्त पंप कर सकता है ।

ऑक्सीजनयुक्त होने के बाद रक्त बाएं आलिंद में पहुंचता है, वहाँ से माइट्रल वाल्व में से हो कर बाएं निलय में पहुंचता है और बाएं निलय के शक्तिशाली संकुचन के कारण महाधमनी में धकेला जाता है । दोनों आलिंद व दोनों निलय के बीच की दीवार ऑक्सीजनयुक्त व ऑक्सीजनरहित रक्त को अलग रखती है । इन दीवारों के अन्दर किसी भी प्रकार की खराबी या किसी भी छेद के कारण यहाँ दोनों प्रकार के रक्त मिल जाते हैं तो बीमारी पैदा होती है । इस प्रकार की कमियां सामान्यतया जन्मजात होती हैं, और शल्यक्रिया या आन्तरिक हस्तक्षेप (इन्टरवेन्शन) के बिना इलाज से उसे ठीक किया जाता है ।

मेरी एक अति वृध्ध चाची मेरे बच्चों के साथ एक दिन मेरा हॉस्पिटल देखने आई । वे अधिक पढी हुई नहीं थी पर बहुत व्यवहारकुशल थी । मैं रोगी को देख रहा था तभी उस ऑफिस में हमारे हॉस्पिटल के सर्जन आए । व रोगी को देख कर तुरंत ऑपरेशन करने जाने वाले थे इसलिये मास्क पहन कर आए थे । उन्होंने रोगी की जांच की, ऑपरेशन की सलाह दी और ऑपरेशन की फीस बताई और चले गए । रात में घर आकर चाची मेरे बच्चों का हॉस्पिटल के बारे में समझा रहीं थी । 'पर दादी, उस डॉक्टर ने मास्क क्यों पहना था?' मेरी लडकी ने पूछा । 'उन्होनें फीस इतनी मांगी थी कि उन्हें रोगी को मुंह बताते हुए शर्म आ रही थी इसलिये उसने मास्क पहना था ।' मेरी चाची ने बच्चों को समझाया ।

हृदय को रक्त की आपूर्ति

एक प्रकार से देखा जाए तो, हृदय की तुलना एक समाजसेवी संस्था से की जा सकती है, जो निरंतर निःस्वार्थ भावना से शरीर के अन्य अंगो की सेवा करता रहता है । जब हृदय को रक्त पहुंचाने वाली धमनियां सिकुड़ती हैं और हृदय को रक्त की पूरी मात्रा नहीं मिलती है तो इसे हृदय की धमनियों का रोग (Coronary Artery Disease) कहते है । हृदय को रक्त पहुंचाने वाली रक्तवाहिनियों के सिकुड़ जाने से एन्जायना (छाती में दर्द) होता है । जबकि इसमें सम्पूर्ण अवरोध आ जाने से हृदयघात का हमला आता है, जिसे हम हार्ट अटैक (Heart Attack) के नाम से जानते हैं । अब हम अलग-अलग प्रकार के हृदयरोग, उनके कारण व इलाज के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करेंगे ।

सीम्स इसीपी (एक्सटर्नल काउन्टर पल्सेशन थेरापी)

न तो कोइ सर्जरी, न कोइ इन्टरवेन्शन और न तो कोइ दर्द

*वह मरीज के लिये कि जिसके पास एन्जियोप्लास्टी और बायपास करवानेका विकल्प नही है ।

इसीपी थेरापी के लाभ

- कोरोनरी आर्टरी स्टेनोसीस के लिये नोन-इन्वेझीव उपचार
- मरीज को अस्पतालमें भर्ती होने की जरुरत नही
- सुरक्षित, दर्द रहित, कोइ भी साइड इफेक्ट के बिना आसानी से हो सकता है
- लागत प्रभावी

- इसीपी (एक्सटर्नल काउन्टर पल्सेशन थेरापी) यह नोन-इन्वेझीव उपचार है कि जो एन्जायना के लक्षणो को कम करता है ।
- इसीपीका चिकित्सक और नैदानिक परिक्षण हुआ है की यह बलुन एन्जियोप्लास्टी (पीटीसीए) और बायपास सर्जरी (सीएबीजी) का बिनहानिकारक आउट पेशेंट विकल्प है ।

ज्यादा जानकारी के लिये नीचे दिये गये
किसी भी कार्डियोलोजीस्ट का संपर्क करे

डॉ. अनिश चंदाराणा	(M) +91-98250 96922
डॉ. अजय नाईक	(M) +91-98250 82666
डॉ. सत्य गुप्ता	(M) +91-99250 45780
डॉ. गुणवंत पटेल	(M) +91-98240 61266
डॉ. केयूर परीख	(M) +91-98250 26999
डॉ. मिलन चग	(M) +91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह	(M) +91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी	(M) +91-98250 30111
डॉ. जोयल शाह	(M) +91-98253 19645
डॉ. रवि सिंघवी	(M) +91-98251 43975

CIMS
Care Institute of Medical Sciences

सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड,
सोला, अहमदाबाद-380060.
एपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008
मोबाईल : +91-90990 66540, 98250 66664, 98250 66668
फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर्स) फेक्स : +91-79-2771 2770
एपोइन्टमेन्ट के लिये ईमेल : opd.rec@cims.me ईमेल : info@cims.me
वेब : www.cims.me

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें :
+91-98244 50000, 97234 50000, 90990 11234

सीम्स अस्पताल में उपलब्ध कार्डियाक सेवाएं

नोन इन्वेझिव कार्डियोलॉजी सेवाएं

- कम्प्यूटराइज्ड ईसीजी
- 2-डी और 3-डी इको व डॉप्लर
- 2-डी और 3-डी ट्रान्सइसोफेजिअल इकोकार्डियोग्राफी (TEE)
- ट्रेड मील टेस्ट (TMT)
- स्ट्रेस इकोकार्डीयोग्राफी
- होल्टर मोनिटर
- टिल्ट टेबुल टेस्ट
- पेथोलोजी
- पिडियाट्रिक कार्डियक क्लिनिक
- एरेथेमिया क्लिनिक
- हार्ट फेल्यॉर क्लिनिक
- पेसमेकर क्लिनिक
- लिपिड क्लिनिक
- ओबेसिटी क्लिनिक
- डायॅट क्लिनिक
- कार्डियक रिहेब
- नोन इन्वेझीव सिटी ऐन्जियोग्राफी

इन्टरवेन्शनल कार्डियोलॉजी सेवाएं

- कोरोनरी ऐन्जियोग्राफी
- कोरोनरी एन्जियोप्लास्टी
- पेरीफेरल व केरोटिड एन्जियोग्राफी
- इपी स्टडी व रेडियो फ्रिक्वेन्सी एब्लेशन
- पेसमेकर व इम्प्लान्टेबल डिफीब्रीलेटर
- डिवाइस थेरापी और हार्ट फेल्योर
- बलून वाल्व्युलोप्लास्टी
- जन्मजात हृदयकी बिमारिओ के लिए बिना ऑपरेशनका ईलाज

कार्डियक सर्जरी

- बायपास सर्जरी
- दुबले और चौडे हृदय के लिये विशेष सर्जरी (SVR)
- वाल्व रिपेयर व रिप्लेसमेन्ट सर्जरी
- छोटे छेदवाली ओपन हार्ट सर्जरी
- पिडियाट्रिक कार्डियक सर्जरी
- थोरासिक सर्जरी
- दिमाग और हाथ-पैरकी धमनीओकी सर्जरी

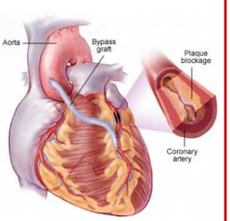

सीम्स अस्पताल में उपलब्ध बाल हृदयरोग विभाग (Pediatric Cardiology Department) सेवाएं

बाल हृदयरोगकी जांचकी सेवाएं

- बाल हृदयरोगके विशेषज्ञ डॉक्टर के साथ कन्सलटेशन (हररोज)
- नवजात शिशु और बालक के लिये आइसीयु (हाइ फ्रिकवन्सी वेन्टीलेटर के साथे)
- बच्चोकी इकोकार्डियोग्राफी की जांच के लिये उच्चत्तम कक्षा के मशीन (**Live 3D Echo**)
- बच्चोमें ट्रान्स इसोफेजिअल इकोकार्डियाग्राफी (**TEE**) की सुविधा
- गर्भस्थ शिशुके हृदय संबंधती जांच और उपचार (फीटल इको)
- बच्चोमें हाइ ब्लड प्रेशर / धडकनकी अनियमितता / हार्ट फेल्योरके ईलाज के लिए क्लिनिक

बाल हृदयरोग इन्टरवेन्शनल प्रोग्राम

- जन्मजात बिमारी के लिए ऑपरेशन के बिना (एन्जियोप्लास्टी और **Device Closure** ईलाजकी सुविधाए)
- बच्चो के लिए केथलेब और आइसीयुकी सुविधाएं
- बच्चो की इलेक्ट्रोफीजियोलोजी जांच, रेडीयो फ्रिक्वेन्सी एब्लेशन और पेसमेकर की सुविधा

बाल हृदयरोग सर्जरी विभाग

- बच्चे और नवजात शिशु की हृदयकी सभी सर्जरी के लिए विशेषज्ञ टीम
- ऑपरेशन के बाद उच्चत्तम स्तर का आइसीयु ईलाज
- अत्याधुनिक जीवनरक्षक प्रणालीसे उपचारकी व्यवस्था

CIMS
Care Institute of Medical Sciences

सीम्स स्टेट-ऑफ-द-आर्ट डेन्टीस्ट्री

आपात कालिन सारवार 24 घंटे

- प्रिवेन्टीव डेन्टीस्ट्री
- जडबे के रोगो का इलाज
- टेढ़े-मेढ़े दांतो का इलाज
- जांत और जडबे की सर्जरी
- दांतो के मुल का इलाज
- बच्चे के दांत का इलाज
- नए दांत बिठाने की सारवार
- इम्प्लान्स्टस और कोस्मेटीक सर्जरी

3 स्टेट-ओफ-द-आर्ट डेन्टल चेर

डीजीटल एक्स-रे

इन्ट्रोओरल केमेरा, ब्लीचींग लाइट

डेन्टल इम्प्लान्टस की सुविधा

इलाज और ज्यादा जानकारी के लिये संपर्क किजिए :
डॉ. परविन चंदाराणा (मो) +91-98256 46233

क्या आपको जोड़ों की तकलीफ है ?

सीम्स जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट सर्जरी

0.1 % से कम इन्फेक्शन रेट

क्लास 100 लेमीनार एयरफ्लो
मॉड्युलर ऑपरेशन थीयेटर्स

CIMS
Care Institute of Medical Sciences

CIMS
Care Institute of Medical Sciences

पीडियाट्रिक कार्डियोलोजी (बाल हृदयरोग विभाग)

- बच्चों की जन्मजात हृदय की बीमारी के लिये पीडियाट्रिक कार्डियोलोजी एवं सर्जरी की संपूर्ण टीम गुजरात में प्राइवेट अस्पताल में पहली बार ।
- अत्याधुनिक उपकरणो से सुसज्जित बाल हृदयरोग विभाग ।
- बच्चे और नवजात शिशु के हृदय संबंधित सभी प्रकार के रोगों का ईलाज संभव ।

CIMS
Care Institute of Medical Sciences

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें
+91-98244 50000
+91-97234 50000
+91-90990 11234

सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड,
सोला, अहमदाबाद-380060.
एपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008
मोबाईल : +91-90990 66540, 98250 66664, 98250 66668
फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर्स) फेक्स : +91-79-2771 2770
एपोइन्टमेन्ट के लिये ईमेल : opd.rec@cims.me ईमेल : info@cims.me
वेब : www.cims.me

एन्जियोग्राफी सिर्फ 7 सेकन्डमें

विश्व के सबसे तेज एन्जियोग्राफी मशीन (फिलिप्स एक्सपर टेक्नोलोजी) सीम्स में उपलब्ध है । इस मशीन में सिर्फ 7 सेकन्डमें एन्जियोग्राफी के फोटो निकलते है ।

- 25 साल से ज्यादा अनुभव
- 15000 एन्जियोप्लास्टी और 50000 एन्जियोग्राफी का अनुभव
- 24 x 7 कार्डियाक सेवाएं, इमरजन्सी के लिये तत्पर

एन्जियोप्लास्टी के अच्छे परिणाम के लिये स्टेन्ट बुस्ट टेक्नोलोजी

हृदयकी सर्जरी सिर्फ ३-४ इंच चीरे के द्वारा

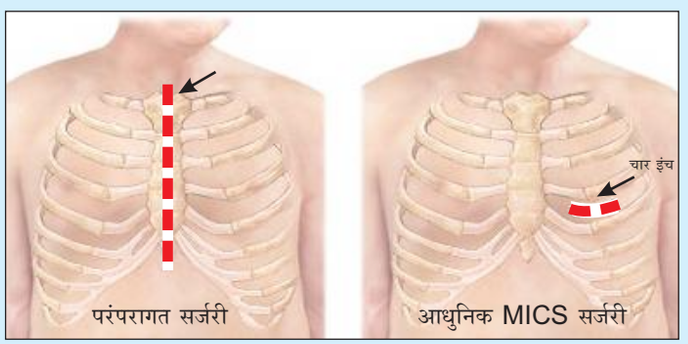

मीनीमली इन्वेसिव कार्डियाक सर्जरी (MICS)

MICS के आधुनिक साधनोसे सुसज्जित
पश्चिम भारत की प्रथम अस्पताल

इस हृदय रोग सर्जरी (MICS) के फायदे:

तुरंत रीकवरी ● जल्दी डीस्चार्ज
कम दर्द ● कोस्मेटीक फायदा

क्लास 100 लेमीनार अेरफ्लो मॉड्युलर ऑपरेशन थीयेटर्स

ज्यादा जानकारी के लिये संपर्क करे

डॉ. धीरेन शाह	(M) +91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	(M) +91-90991 11133
डॉ. निरेन भावसार	(M) +91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	(M) +91-95863 75818

CIMS
Care Institute of Medical Sciences

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें :
+91-98244 50000, 97234 50000,
+91-90990 11234

CIMS
Care Institute of Medical Sciences

निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ रोगी की देखभाल

- अति कुशल चिकित्सक एवं स्टाफ
- बहु सुविधा और बखुबी सुसज्जित ओ.टी., गहन चिकित्सा कक्ष (आई.सी.यु.) और वॉर्ड
- उत्कृष्ट और स्वच्छ पर्यावरण
- महेमाननवाज् नर्सिंग स्टाफ
- स्वस्थ और स्वादिष्ट भोजन हेतु कैफेटेरिया
- मरीज के रिश्तेदारों के लिए रहने की सुविधा
- **उच्चतम साधन-सामग्रीवाले आरामदायक कमरे**
  - जनरल वोर्ड
  - इकोनोमी वोर्ड
  - ट्वीन और सिंगल रुम
  - स्युट रुम
- सरल और त्वरित प्रवेश और छुट्टी प्रक्रिया
- 24 × 7 सुसज्जित एम्ब्युलन्स सेवा (आइसीयु ओन व्हील्स के साथ)
- इलेक्ट्रोनिक ट्रोली बेड
- 24 × 7 पेथोलोजी
- 24 × 7 फार्मसी
- 24 × 7 कैफेटेरिया

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Permitted to post at MBC, Navrangpura, Ahmedabad-380009 on the 27th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2010-2012 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2012

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,
Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.
Ph. : +91-79-2771 2771-75 (5 lines)
Fax: +91-79-2771 2770
Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

CIMS
Care Institute of Medical Sciences

सीम्स क्रिटीकल कॅयर - 24 x 7 सेवा उपलब्ध

आपकी किसी भी इमरजेन्सी में हम आपके साथ है

कार्डियक, न्यूरो, गेस्ट्रो, यूरोलोजीकल, पोलीट्रोमा
रीनल फेलियर, सेप्सिस जैसी इमरजेन्सीमें तुरंत इलाज की सुविधा

- क्या आपको ज़हरी मेलेरिया, डेन्ग्यु, पीलीया, टीबी के अन्य विशाणुजन्य बीमारी हुई है ?
- मिरगी की बीमारी, लकवा, अकस्मात में चोट हुई है ?
- गंभीर बीमारी / केन्सर है की जिसमे अधिक दवाईया, डायालीसीस और वेन्टीलेटर जैसी सारवार की जरुरत है ?
- गंभीर रोग की वजह से एक से ज्यादा शरीर के अंग निष्क्रिय हो गये हो ?
- फेफडों की, पेट की, खुन की बीमारीयां, जिसमें एन्डोस्कोपी व अन्य विशेषज्ञों की सामूहिक चिकित्सीय परामर्श की जरुरत है ?

CIMS
Care Institute of Medical Sciences
At CIMS... we care

सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.
एपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008
मोबाईल : +91-90990 66540, 98250 66664, 98250 66668
फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर्स) फेक्स : +91-79-2771 2770
एपोइन्टमेन्ट के लिये ईमेल : opd.rec@cims.me ईमेल : info@cims.me वेब : www.cims.me

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : +91-98244 50000, 97234 50000, 90990 11234

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षीने सीम्स अस्पताल की और से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।